महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

(डीडब्ल्यूईडी)

सत्रीय कार्य 1 से 4

जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022 सत्रों में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु सत्रीय कार्य

विद्यार्थियों द्वारा जमा करने की तारीख

जुलाई 2021 सत्र – 1 फरवरी, 2022

जनवरी 2022 सत्र – 1 अगस्त, 2022

जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बीडब्ल्यूईएफ – 002) सत्रीय कार्य 1

संगठन और नेतृत्व (बीडब्ल्यूईई – 006) सत्रीय कार्य 2

कार्य और उद्यमशीलता (बीडब्ल्यूईई – 007) सत्रीय कार्य 3

ऋण और वित्त (बीडब्ल्यूईई – 008) सत्रीय कार्य 4

जेंडर एवं विकास अध्ययन विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली – 110068

महिला सशक्तिकरण और विकास में डिप्लोमा कार्यक्रम

कार्यक्रम कोडः डीडब्ल्यूईडी

प्रिय विद्यार्थी,

हम आशा करते हैं कि हमारे ये सभी पाठ्यक्रम आपके लिए बेहद रोचक होंगे। अपने सत्रीय कार्यों को क्रमवार पूरा करने के योग्य बनने के लिए कृपया निम्नलिखित निर्देशों को भलीभांति पढ़ेंः

जरूरी हिदायते

सत्रीय कार्यों को करने से पहले, कृपया निम्नलिखित हिदायतों को ध्यानपूर्वक पढ़ेंः

1) कार्यक्रम दर्शिका में सत्रीय कार्य संबंधी विस्तृत निर्देशों को पढ़ें।
2) अपनी उत्तर–पृष्ठिका में सबसे ऊपर दायीं तरफ सर्वप्रथम अपना अनुक्रमांक, नाम, पूरा पता एवं तारीख लिखें।
3) अपनी उत्तर–पृष्ठिका(ओं) के पहले पृष्ठ के मध्य में पाठ्यक्रम, शीर्षक, सत्रीय कार्य संख्या एवं संबद्ध अध्ययन केंद्र का नाम लिखें।

   आपकी उत्तर–पृष्ठिका के पहले पृष्ठ का ऊपरी भाग कुछ इस तरह नजर आना चाहिएः

पाठ्यक्रम शीर्षक.....	नामांकन सं.....
.....	
सत्रीय कार्य संख्या.....	नाम.....
.....	
अध्ययन केंद्र.....	पता.....
.....	
	तारीख.....
.....	

4) अपने उत्तर देने हेतु केवल फुलस्केप साइज कागज का ही इस्तेमाल करें।
5) प्रत्येक उत्तर के साथ प्रश्न संख्या अवश्य लिखें।
6) अपना उत्तर अपनी लिखाई में ही दें।
7) सत्रीय कार्य जमा कराने हेतु पूरे किए सत्रीय कार्य को अपने अध्ययन केंद्र के संयोजक को भेजें।

कृपया ध्यान दें :

देखा गया है कि कुछ विद्यार्थी, बोध प्रश्नों के उत्तर मूल्यांकन हेतु विश्वविद्यालय को भेज रहे हैं, कृपया ऐसा न करें। ये अभ्यास आपकी प्रगति की स्व–जाँच करने हेतु दिए जाते हैं और प्रत्येक इकाई के अंत में इसलिए इनके उत्तर प्रदान भी किए जाते हैं।

प्रत्येक सत्रीय कार्य जमा कराने से पहले कृपया निम्नलिखित बिंदुओं को अवश्य ध्यान में रखें:

- आपकी अनुक्रमांक संख्या, नाम एवं पता सही लिखा हो,
- पाठ्यक्रम का शीर्षक एवं सत्रीय कार्य संख्या साफ लिखी हो,
- संबद्ध पाठ्यक्रमों के सभी सत्रीय कार्य अलग–अलग शीट्स पर लिखे हो और अच्छे से पिन किए हो।
- सत्रीय कार्यों में सम्मिलित सभी प्रश्नों के उत्तर आपने भलीभांति दिए हो।

प्रश्नों के उत्तर देने से पहले, निम्नलिखित दिशा–निर्देशों को अवश्य पढ़ें :

कुछ विचारणीय बिंदु

निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना, आपके लिए उपयोगी होगा :

1. **योजना बनाना :** सत्रीय कार्यों को भलीभांति पढ़ें एवं संबद्ध इकाइयों का भी ध्यानपूर्वक अध्ययन करें। प्रत्येक इकाई में सम्मिलित प्रश्नों के संदर्भ में कुछ जरूरी बिंदु बनाएं और तत्पश्चात इन्हें क्रमवार तरीके से व्यवस्थित करें।

2. **व्यवस्थापन :** अपने उत्तर का खाका तैयार करने से पहले इन विचारणीय बिंदुओं पर थोड़ा और गहनता से विचार करें। दीर्घ प्रश्नों में प्रस्तावना एवं निष्कर्ष नामक शीर्षकों के तहत जरूरी जानकारी प्रदान करें। प्रस्तावना में उत्तर की संक्षिप्त व्याख्या दें और इसमें समाहित जानकारी को क्रमवार प्रस्तावित करें। निष्कर्ष के तहत अपने उत्तर की संक्षेप में प्रस्तुति **करें। सुनिश्चित करें कि (क)** आपका उत्तर तर्कसंगत एवं बोधगम्य हो। **(ख)** वाक्यों एवं पैराग्राफों में समन्वय एवं स्पष्टता हो। **(ग)** आपका उत्तर सही ढंग से लिखा हो एवं आपकी अभिव्यक्ति शैली एवं प्रस्तुति उचित हो।

3. **प्रस्तुति :** अपने उत्तर के प्रति पूर्णतया संतुष्ट होने पर जमा कराने की दृष्टि से इसे अंतिम रूप दें। ध्यान दें कि आपका उत्तर साफ–सुथरा लिखा हो। उन बिंदुओं को रेखांकित करें जिन पर आप जोर देना चाहते हैं।

जेंडर प्रशिक्षण परिप्रेक्ष्य (बीडब्ल्यूईएफ–002)

सत्रीय कार्य 1

(टीएमए– I)

पाठ्यक्रम कोडः बीडब्ल्यूईएफ–002 सत्रीय कार्य कोडः बीडब्ल्यूईएफ–002/टीएमए–1/21–22

अधिकतम अंक : 100

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

10 ग10 त्र 100

1. प्रौढ़ अधिगम एवं सहभागितापरक प्रशिक्षण क्या है? अपना उत्तर उचित उदाहरण देते हुए स्पष्ट कीजिए।10
2. एक अच्छे प्रशिक्षक की विशेषताओं का वर्णन कीजिए।

   10
3. प्रशिक्षण सत्र संचालन के तरीकों की चर्चा कीजिए।

   10
4. व्यक्ति–विशेष स्तर पर महिलाओं को प्रशिक्षित करने की कार्यविधियों का वर्णन कीजिए।

   10
5. जेंडर प्रशिक्षण क्या है? जेंडर प्रशिक्षण के ढाँचों का वर्णन कीजिए।

   10
6. न्यूनतम किन्हीं पाँच गैर–प्रक्षिप्त प्रशिक्षण सहायक सामग्री/मीडिया के नाम लिखिए। इनमें से 10

   प्रत्येक की चर्चा उचित उदाहरण देते हुए कीजिए।
7. प्रशिक्षण में श्रव्य सामग्री के उपयोग पर प्रकाश डालिए।

   10
8. समुदाय अभियानों का आयोजन कैसे किया जाता है? सविस्तार लिखिए।

   10
9. प्रशिक्षण सत्र की योजना कैसे बनाई जाती है? उचित उदाहरण देते हुए चर्चा कीजिए।

   10
10. रिपोर्ट के विविध प्रकार कौन से हैं? इनकी चर्चा उचित उदाहरण देते हुए कीजिए।

    10

संगठन और नेतृत्व (बीडब्ल्यूईई–006)

कार्यक्रम कोडः डीडब्ल्यूईडी
पाठ्यक्रम कोड – बीडब्ल्यूईई–006
सत्रीय कार्य कोडः 012/सत्रीय कार्य–01/टीएमए/2020–21

अधिकतम अंकः 100
अधिभारिताः 30ः

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. स्व–सहायता समूह की संकल्पना की चर्चा कीजिए।
   10
2. स्व–सहायता समूहों के वित्तीय प्रबंधन संबंधी विविध पहलुओं की चर्चा कीजिए।
   10
3. स्व–सहायता समूहों की सभाओं में समूह प्रवर्तक की भूमिका का वर्णन कीजिए।
   10
4. द्वंद्व की परिभाषा दीजिए और इसके चरणों की पहचान उचित उदाहरण देते हुए कीजिए।
   10
5. समूह गठन में कार्य–व्यवस्थापन की अनिवार्य विशेषताएँ क्या हैं?
   10
6. समूह की पहचान एवं स्थिरता के संदर्भ में स्व–सहायता समूहों की विशेषताओं की चर्चा कीजिए। 10
7. सहकारिता के सिद्धांतों एवं अधिकारों का वर्णन, उदाहरण देते हुए कीजिए।
   10
8. महिला सहकारी समितियों में परिसंघ की भूमिका की चर्चा, उदाहरण देते हुए कीजिए।
   10
9. सहकारी समितियों से जुड़े कानूनों का वर्णन कीजिए।
   10
10. राष्ट्रीय सहकारी शिक्षा केंद्र का क्या महत्व है? वर्णन कीजिए।
    10

कार्य और उद्यमशीलता (बीडब्ल्यूईई–007)

सत्रीय कार्य सं. : बीडब्ल्यूईई–007/एएसटी/टीएमए/2021

अधिकतम अंकः 100

नोटः सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है। मूल्यांकन के संबंध में नकल किए सत्रीय कार्य स्वीकृत नहीं होंगे।

(कुल अंक 100, प्रत्येक उत्तर हेतु 20 अंक)

नोट : निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें, प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 750 शब्दों में दीजिए

1. महिलाएँ और कार्य–पैटर्न विषय पर एक निबंध लिखिए।
2. महिलाओं की कार्य–उत्पादकता को बेहतर बनाने के क्षेत्र–विशिष्ट अंतःक्षेपों का वर्णन कीजिए।
3. लघु उद्यमों को स्वॉट विश्लेषण का प्रयोग करते हुए क्यों और कैसे स्थापित किया जा सकता है? सविस्तार लिखिए।
4. स्व–सहायता समूह के सदस्यों के कर्त्तव्यों एवं जिम्मेदारियों की पहचान कीजिए।
5. उद्यम की स्थापना हेतु एक साधारण व्यवसाय योजना तैयार कीजिए।
6. उद्यमी बनने की राह पर महिलाओं को प्रेरित करने वाले प्रेरणादायक कारकों की पहचान एवं वर्णन कीजिए।
7. स्थानीय स्तर पर अपना उद्यम स्थापित करने वाली महिलाओं की पहचान कर इन पर एक–एक केस अध्ययन तैयार कीजिए।

ऋण और वित्त (बीडब्ल्यूईईएफ–008)
सत्रीय कार्य 4
सत्रीय कार्य कोडः बीडब्ल्यूईईएफ–008/टीएमए–1/21–21
अधिकतम अंकः 100

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं :

1. इस भाग के हरेक प्रश्न का उत्तर लगभग पाँच सौ शब्दों में दीजिए।

क) सूक्ष्म वित्त क्या है?

ख) सूक्ष्मवित्त की उपलब्धियाँ क्या हैं? उदाहरण दीजिए।

ग) सूक्ष्मवित्त योजनाओं को सुगम बनाने में नाबार्ड की भूमिका स्पष्ट कीजिए।

घ) एसएचजी की विविध विशेषताओं का वर्णन कीजिए और सूक्ष्मवित्त से इनके संबंध को उजागर कीजिए। 20

2. भारत में निर्धन महिलाओं के जीवन को बेहतर बनाने में स्व–सहायता समूहों के गठन, प्रकार्य एवं भूमिका पर एक निबंध लिखिए।

20

3. निम्नलिखित में से हरेक प्रश्न का उत्तर लगभग 300 शब्दों में दीजिए :

क) परिक्रामी ऋण क्या है?

ख) अनिवार्य ऋण/बचत क्या है?

ग) सुप्रबंधित बचत एवं ऋण समूह की विशेषताएँ

घ) स्व–सहायता समूहों द्वारा अपने सदस्यों को प्रशिक्षण के दौरान प्रदत्त ऋण चुकौती संबंधी दिशा–निर्देश 20

4. निम्नलिखित विषय वस्तुओं पर संक्षेप में नोट लिखिए :

क) लाभ एवं हानि

ख) मजदूरी एवं वेतन

ग) खाता बही

घ) बहीखातों का रखरखाव

20

5. महिला को सशक्त बनने में सहायता हेतु एक योजना तैयार कीजिए। योजना ऐसी हो जो व्यावहारिकता में संभव हो। क्या आप योजना के तहत इनकी आर्थिक दशा या सामाजिक संरचनाओं में आवश्यक परिवर्तन की माँग वाले इनके जीवन के अन्य पहलुओं पर भी ध्यान केंद्रित करेंगे। 20